हरिभूमि
रत्न भूमि
रायपुर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026

तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

[राजिम | फिंगेश्वर | छुरा | मुड़ागांव | रसेला | गरियाबंद | कोपरा | मैनपुर | देवभोग | पांडुका | छुईहा बेलर]

प्रवेश प्रारंभ
B.P.Ed., B.P.E.S., BCA, Bsc. (CS/IT), B.Com., PGDCA, DCA
PG Diploma in Yoga Edu.
AICTE एवं NCTE से मान्यता प्राप्त
(पं. र.वि.वि. रायपुर से सम्बद्ध)
नेताजी सुभाष कॉलेज बेलभाठा, अभनपुर
मो.न. - 8103982557

खबर संक्षेप

वीरा पारधी का एकलव्य विद्यालय में चयन

फिंगेश्वर। शासकीय प्राथमिक शाला बारुला की कक्षा 5 में अध्ययनरत छात्र कुमारी वीरा पारधी का चयन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छुरा में होने पर ग्राम में जहां हर्ष की लहर है। वहीं पर शाला परिवार भी हर्षित है। प्रधान पाठक लता ध्रुव ने छात्र वीरा पारधी से कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी। इस अवसर पर शिक्षिका मोती ध्रुव, हीरावन लाल साहू एवं कमलकांत सेन ने भी छात्र को ने उज्वल भविष्य की कामना की।

निमोरा की 18 छात्राओं को दी गई सायकिल

अभनपुर। सरस्वती निःशुल्क साइकिल योजना के तहत शासकीय हाईस्कूल निमोरा में कक्षा 9वीं की 18 नवप्रवेशी छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरित की गई।

समस्या : डुमरपड़ाव-जांगड़ा में करोड़ों की अधूरी सड़क बनी आफत

महतारी एक्सप्रेस कीचड़ में फंसी, 3 किमी पैदल चली शिशु को लेकर मां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद जिले के आदिवासी बहुल विकासखंड मैनपुर अंतर्गत डुमरपड़ाव-जांगड़ा-पयलीखण्ड मार्ग पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत करोड़ों रुपये की लागत से स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य को अधूरा छोड़ दिए जाने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ठेकेदार की लापरवाही और बदहाल रास्ते का सीधा असर अब क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने लगा है। गुरुवार को महतारी एक्सप्रेस (102) अस्पताल में सुरक्षित प्रसव के बाद एक महिला और उसके नवजात शिशु को लेकर ग्राम जांगड़ा छोड़ने जा रही थी। इसी दौरान डुमरपड़ाव और जांगड़ा के बीच भारी बारिश के कारण कच्ची सड़क पर फैले कीचड़ और गड्ढों में महतारी एक्सप्रेस का वाहन गहराई तक फंस गया। चालक और ग्रामीणों के काफी प्रयासों के बाद भी जब वाहन आगे नहीं बढ़ सका, तो प्रसूता महिला को मजबूरी में नवजात शिशु को गोद में लेकर बारिश के बीच करीब 3 किलोमीटर तक पैदल चलकर अपने घर पहुंचना पड़ा।

स्वास्थ्य सुविधाओं पर पड़ा सीधा असर

अधूरी सड़क से थम रही जिंदगी की रफ्तार, ग्रामीणों में आक्रोश

ग्राम पंचायत जांगड़ा के सरपंच अरविंद नेताम, उपसरपंच भानु सिन्हा, जगबंधु सिन्हा, वेदराम यादव, गंगाराम विश्वकर्मा, डोमार नागेश, हेलर नेताम, संतोश नागेश, लालसिंग सहित स्थानीय ग्रामीणों ने भारी आक्रोश जताते हुए कहा कि सड़क का निर्माण कार्य अधूरा छोड़ने के कारण बारिश के दिनों में आवागमन दूभर हो गया है। सबसे ज्यादा समस्या गर्भवती महिलाओं, प्रसूताओं और गंभीर मरीजों को अस्पताल ले जाने में आ रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाए, ताकि आदिवासी क्षेत्र के ग्रामीणों को इस रोज-रोज की मुसीबत से राहत मिल सके।

श्री कुलेश्वरनाथ व गरीबनाथ महादेव मंदिर में हर-हर महादेव की रही गूंज

राजिम। सावन के पहले दिन यानी गुरूवार को छत्तीसगढ़ के प्रयाग राज राजिम तीर्थ के भगवान श्री कुलेश्वरनाथ महादेव के मंदिर में सुबह से लेकर देर शाम तक शिव भक्तों का तांता लगा रहा। दूर-दूर से श्रद्धालूजन भोलेनाथ का जलाभिषेक और पूजा करने अपने परिवार और बच्चों के साथ पहुंचते रहे। भोलेनाथ का दरबार हर-हर महादेव के जयकारे से गूंजता रहा। मंदिर के घंटियों की आवाज नदी तट से ही सुनाई पड़ रहा था। इसी तरह शहर के बाबा गरीबनाथ महादेव मंदिर में भी सुबह से ही शिवभक्तों का तांता लग गया था। इसके अलावा ब्रह्मचर्य आश्रम, नवापारा के श्री राधाकृष्ण मंदिर के अलावा दोनों शहर के सभी शिवालयों में भक्तों की भीड़ दिन भर लगी रही। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक सावन का महीना भोलेनाथ को अति प्रिय होना माना जाता है। लिहाजा हर कोई भोलेनाथ को रिझाने के लिए व्रत रखकर पूजा करने आतुर रहते हैं।

सी.जी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रायपुर
(25 वर्षों से नर्सिंग चिकित्सा, शिक्षा व समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था)
अब नए, सर्वसुविधायुक्त एवं आधुनिक परिसर में
12वीं (PCB) उत्तीर्ण एवं PNT परीक्षा में सफल विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर!
उपलब्ध पाठ्यक्रम :
B.Sc. Nursing (4 वर्षीय)
GNM Nursing (3 वर्षीय)
हमारी विशेषताएं :
• नवीन एवं आधुनिक सर्वसुविधायुक्त भवन
• अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण
• अत्याधुनिक नर्सिंग लैब एवं समृद्ध पुस्तकालय
• मेकाहारा, जिला अस्पताल, सी एच सी, पी एच सी, एन के डी पैरेंटल अस्पताल मे नियमित क्लिनिकल प्रशिक्षण
• 100% प्लेसमेंट
सीमित सीटें
आज ही अपना प्रवेश सुनिश्चित करों
ज्योति साहू
एम्स टॉपर
नया पता: अटल चौक, ग्राम पंचायत कार्यालय के पास, निर्मल ज्ञानोदय स्कूल के पीछे, सेजबहार रोड, बोरियाकला, रायपुर (छ.ग.)
पुराना पता: न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.) www.cgnursing.com Follow us :
7722991707, 9993585707, 9993582707

ISBM UNIVERSITY
KNOWLEDGE • WISDOM • HUMANITY
BCI Bar Council of India
Association of Indian Universities
Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission
UGC University Grant Commission
All India Council for Technical Education
PCI Pharmacy Council of India
LAUNCH YOUR FUTURE WITH ISBM UNIVERSITY
New Campus in Heart of Raipur - Near Nalanda Parisar - 1 Km approx.
•Ultra Modern Campus •A.I. + M.L. Classes for All Student
•Free Career Guidance with Prior Appointment
CHOOSE A UNIVERSITY THAT PUTS YOU FIRST!
NAAC ACCREDITED
INTERNATIONAL ASSOCIATION OF UNIVERSITIES
AACSB Business Education Alliance Member
ADMISSION OPEN 2026-27
Hostel Facility Available Boys/Girls
10,000+ Students & Alumni
25+ Awards & Recognitions
150+ Recruiters Network
200+ National & International Conferences
50+ MoUs & Tie-Ups
750+ Research Publications
20+ Patents
₹2.5cr+ Research Fellowship
OUR PROGRAMS
PHARMACY
LAW
INFORMATION & TECHNOLOGY
LIBRARY & INFORMATION SCIENCE
COMMERCE & MANAGEMENT
JOURNALISM & MASS COMM.
HOTEL MANAGEMENT
INNOVATION & COMPUTING
DESIGN
ENGINEERING & TECHNOLOGY
SCIENCE
ARTS & HUMANITIES
YOGA & NATUROPATHY
PhD
+91 9109333333, +91 7880170727
Raipur Campus - ISBM University, Ring Road No. 1, Near Sarona Bridge, Tatibandh, Raipur, Chhattisgarh- 492099
Main Campus - ISBM University, Nawapara (Kosmi), Block & Tehsil- Chhura, Gariyaband, Chhattisgarh - 493996
www.isbmuniversity.edu.in
(SCAN QR TO VISIT WEBSITE)
Shreeram Addiction

खबर संक्षेप

मां ब्रम्हचारिणी दरबार में मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

राजिम। माँ ब्रम्हचारिणी दरबार में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। मंदिर समिति के ताजराम साहू ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अपने गुरु के सानिध्यलाभ व दर्शन के लिए बड़ी संख्या में शिष्यगण दूर दूर से पहुंचे थे। गुरुदेव भरत साहू, अर्जुन नयन तिवारी, आचार्य देवेंद्र दुबे के पावन सानिध्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मां ब्रम्हचारिणी की पूजा अर्चना कर गुरु पर्व प्रारम्भ हुआ। शिष्यों ने अपने गुरु का तिलक वंदन कर गुरु पूर्णिमा मनाया। इस अवसर पर मंदिर समिति के तेजेश साहू, फगेंद्र यदु, भागीराम साहू, यशवंत साहू, ईश्वर सिन्हा, विजेंन्द्र वर्मा, सुरेश यादव, भुवन साहू, गणेश पटेल ,तुलसी साहू, जनक साहू, बसंत जाधव, रूपलाल साहू, शिवराज साहू, डिगेश्वर साहू, सोमन साहू ,नारायण पटेल, बल्लु यादव, राजा साहू, उमेश तारक, योगेश साहू, दिनेश्वर साहू सहित बड़ी संख्या में शिष्यगण उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस पर वीर जवानों को किया नमन

फिंगेश्वर। विगत दिनों इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, फिंगेश्वर, गरियाबंद में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तहत कारगिल विजय दिवस का आयोजन बड़े ही गरिमापूर्ण तरीके से किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. गिरिजेश कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रभारी डॉ. ओमेश ठाकुर, सहायक प्राध्यापक डॉ. सौरभ पद्मशाली एवं अतिथि शिक्षक आदर्श कुमार द्वारा कराया गया। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल के युद्ध में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आदर्श कुमार द्वारा बलिदानियों का संक्षिप्त बिंदु वार परिचय समस्त छात्रों के मध्य रखा गया। डॉ. सौरभ पद्मशाली द्वारा देश के विकास और सुरक्षा में जवानों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों को भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता बनाये रखने की शपथ दिलाई गई। छात्रों को देश की सेवा करने और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए जागरूक किया गया।

एनएच किनारे बेहोश मिली महिला, 112 व 108 की सजगता से बची जान

मैनपुर। मैनपुर गरियाबंद नेशनल हाइवे 130 सी के किनारे कामेपुर बिन्द्रानवागढ़ जंगल के पास एक महिला के बेसुध हालत में मिलने से इलाके में कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया। महिला के कपड़े पूरी तरह भीगे हुए थे और शरीर पर चींटियों के काटने के निशान भी पाए गए। सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और महिला को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ उसे अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। जानकारी के अनुसार, 112 को सूचना मिली थी कि कामेपुर बिन्द्रानवागढ़ क्षेत्र में एक अज्ञात महिला बेहोशी की हालत में पड़ी हुई है। सूचना मिलते ही आरक्षक लोकेश्वर पटेल और चालक देवेंद्र मौके पर पहुंचे। वहां महिला की हालत देखकर आरक्षक लोकेश्वर पटेल ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। कुछ ही देर में 108 की टीम मौके पर पहुंची। एमटी पूजा चक्रधारी की टीम ने महिला को वहां से उठाकर मैनपुर अस्पताल पहुंचाया।

बारिश : वनांचल क्षेत्रों के नदी-नालों में पानी का बहाव तेज, आवागमन अवरूद्ध

नदी-नाले उफान पर, 65 गांवों का संपर्क कटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

मैनपुर क्षेत्र के गुरूवार को हालंकि बारिश कम हो गई है दिन में सूरज भी दिखाई दिया लेकिन वनांचल क्षेत्र के नदी- नालों में पानी का बहाव कम नहीं हुआ है जिसके कारण आज दूसरे दिन भी दर्जनों ग्रामों का संपर्क मुख्यालय से कटा हुआ है और लोगों को आने जाने तथा खाद बीज के अलावा दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले सामाग्रियों के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मैनपुर विकासखण्ड के कुल्हाड़ीघाट इलाके के अलावा पयलीखण्ड, उदंती अभ्यारण्य के अमाड़, देवझरअमली, साहेबिनकछार के साथ ही राजापड़ाव गौरगांव के क्षेत्र 65 ग्राम पाराटोला का संपर्क पूरी तरह कटा हुआ है तथा बाघनाला, उदंती नदी, इंद्रावन नदी, झापेन नदी में भारी बाढ़ के कारण आवागमन अवरूद्ध हो गया है हालंकि आज बारिश थम गई है लेकिन लोगो की परेशानी कम नही हो रही है। राजापड़ाव गौरगांव इलाके के अड़गड़ी नाला में एप्रोच मार्ग टूट जाने के कारण जहां एक ओर भारी परेशानी हो रही। वहीं इसी मार्ग में बाघनाला पूरे उफान पर है जिसके कारण मोटर साइकिल को भी चार लोग कंधे में उठाकर बड़ी मुश्किल से पार कर रहे हैं।

चरभट्ठी में जर्जर मकान से हादसे का अंदेश

छुईहा बेलर। ग्राम चरभट्ठी में स्थित एक पुराना मकान अब पूरी तरह जर्जर हो चुका है। मकान मालिक ठाकुर परिवार कई वर्षों से रायपुर और अन्यत्र निवासरत होने के कारण इस मकान की देखरेख नहीं कर पा रहा है। घर के दूसरे हिस्से में एक व्यक्ति देखरेख के लिए रह रहा है, लेकिन मकान की कमजोर स्थिति में सुधार नहीं हो पाया है। लगातार हुई बारिश ने मकान की छत में नमी और सड़न पैदा कर दी है, जिससे मलमा, बांस, बल्ली और खपरैल गिरने लगे हैं। यह घर ग्राम की एक मुख्य गली में स्थित है, जिससे रोजाना आम लोग और पालतू जानवर आवागमन करते हैं। यदि किसी अप्रत्याशित कारण से यह मकान गिर जाता है तो बड़ा हादसा होने की संभावना है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि मकान मालिक कुमार ठाकुर एवं छबि ठाकुर लंबे समय से मकान की सुध नहीं ले रहे हैं। पंचायत के सरपंच और उपसरपंच ने संबंधित व्यक्ति तक सुचना कर देने की बात आई है। वे शीघ्र ही मकान की मरम्मत कराएं या इसे ध्वस्त कराकर किसी बड़ी दुर्घटना से बचाव करें। पंचायत प्रशासन इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने के लिए सतर्क है और जल्द ही मकान की स्थिति को सुधारने हेतु कार्रवाई शुरू की जाएगी। ग्रामीणों ने भी मकान मालिकों से जिम्मेदारी निभाने और साथ-साथ गांव के लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखने की अपेक्षा की है।

मूसलाधार बारिश 40 से अधिक गांव बने टापू

रसेला। क्षेत्र में हो रही लगातार मूसलाधार बारिश ने 20 साल का रिकॉर्ड तोड़कर रख दिया है। बारिश ने एक बार फिर प्रशासनिक योजनाओं और विकास के दावो की पोल खोल दी है। छुरा ब्लाक और जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित रसेला के पास ढोडगा नाला, फूलबाहरा के पास सुखा नदी,टेगनाबासा के पास रपटा और रावनाभाटा के पास नाला ने इस क्षेत्र के ग्रामीणों और बाहर से आने जाने वाले लोगों को हर वर्ष बरसात के मौसम में जी का जंजाल बना हुआ है। जिससे लगभग 30 से 40 अंदरूनी गांवों का संपर्क जिला व विकासखंड मुख्यालय से पूरी तरह कट जाता है। हजारों ग्रामीण टापू बने गांवों में कैद होने को मजबूर हैं, लेकिन शासन प्रशासन तमाशबीन बना हुआ है। प्रशासनिक अदूरदर्शिता का इससे बड़ा उदाहरण क्या होगा कि सुखा नदी सेदबाहरा व रक्सी के बीच शासन ने करोड़ों रुपए खर्च कर आलीशान ऊंचा पुल बना दिया, लेकिन उससे पहले पड़ने वाले छोटे-छोटे नाले और रपटा को जस का तस छोड़ दिया। जब मुख्य मार्ग का पहला ही नाला बंद है, तो आगे करोड़ों की लागत से बने पुल का औचित्य ही समाप्त हो गया है। जान जोखिम में डाल रहे स्कूली बच्चे, आनलाइन हाजिरी के फेर में फंसे शिक्षक बारिश के इस तांडव से सबसे बुरा असर शिक्षा व्यवस्था पर पड़ रहा है। छात्रों की पढ़ाई ढोडगा नाले में उफान के कारण स्कूली बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पाते हैं। क्षेत्र के जनप्रतिनिधि जनपद सदस्य बिमला नागेश, सुखराम ठाकुर, नारायण सिन्हा,मुगेश्वरी ठाकुर, सरपंच रूपादेवी ठाकुर,विजय कृष्णा नागेश, रवि मरकाम, तुलेश्वर ध्रुव, भोजराज नागेश,राजकुमारी ध्रुव, हेमलता ध्रुव ने कहा कि यह कोई पहली बार की समस्या नहीं है। सालों से हर मानसून में नदी नाले, रपटा से ग्रामीण इसी त्रासदी को झेलते आ रहें हैं। हर बार सिर्फ खोखले आश्वासन मिलते हैं। क्षेत्रीय ग्रामीणों ने शासन प्रशासन के खिलाफ कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए मांग है कि तत्काल प्रभाव से रसेला से छुरा मार्ग के नाले, रपटा पर उच्च स्तरीय ऊंची पुलिया के निर्माण हेतु टेंडर जारी किया जाए और बारिश के दौरान प्रभावित गांवों के लिए आपातकालीन चिकित्सा और सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं। यदि जल्द ही इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, तो क्षेत्रवासी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

तहसीलदार ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात, मदद का दिलाया भरोसा

मैनपुर। जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। संभावित जनहानि को रोकने के लिए राजस्व विभाग की टीमें लगातार गांव–गांव पहुंचकर कच्चे एवं जर्जर मकानों का निरीक्षण कर रही हैं। मैनपुर तहसीलदार सुशील कुमार भोई स्वयं राजस्व विभाग की टीम के साथ संवेदनशील क्षेत्रें का दौरा कर हालात का जायजा ले रहे हैं और जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था कर रहे हैं। इसी बीच मैनपुर विकासखंड के इंदागांव ग्राम पंचायत के मेटपारा में मंगलवार देर रात तेज बारिश के कारण एक कच्चा मकान भरभराकर गिर गया था। हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही तहसीलदार सुशील कुमार भोई ने राजस्व अमले के साथ मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और हालात का जायजा लिया। तहसीलदार सुशील कुमार भोई ने घायल परिजनों के उपचार की जानकारी ली। गंभीर रूप से घायल रमेश नागेश सहित अन्य सदस्यों की स्थिति पर अधिकारियों ने नजर रखी। उन्होंने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि प्रशासन उनकी हरसंभव मदद करेगा और शासन के नियमानुसार मिलने वाली क्षतिपूर्ति एवं राहत राशि दिलाने की पूरी प्रक्रिया प्राथमिकता से कराई जाएगी।

कलेक्टर ने जलभराव क्षेत्र का लिया जायजा, बह चुके एप्रोच मार्ग को जल्द दुरुस्त करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद कलेक्टर भगवान सिंह उइके ने आज गुरूवार को गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड अंतर्गत दुरस्थ वनांचल के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर लगातार हो रही वर्षा से उत्पन्न हालात का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जलभराव, सड़क संपर्क, नदी-नालों की स्थिति तथा आमजन की सुरक्षा से जुड़े व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रें में लगातार निगरानी बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएसपी सुश्री निशा सिन्हा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित पंटोरा क्षेत्र का भी निरीक्षण किया, जहां लगातार बारिश के कारण अत्यधिक जलभराव होने से आवागमन प्रभावित होने की स्थिति बनी हुई थी। उन्होंने अधिकारियों को अवागमन व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस, राजस्व एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्य करने और प्रभावित क्षेत्रें में आम नागरिकों की सुरक्षा को विशेष ध्यान देने को कहा।

कलेक्टर श्री उईके ने कहा कि नदी, नालों एवं पुल-पुलियों पर अनावश्यक आवाजाही से बचें। तेज बहाव वाले क्षेत्रें में प्रवेश न करें तथा बच्चों को नदी किनारे जाने से रोकें। पशुओं को भी नदी के समीप चराने या बांधने से बचें। बारिश की स्थिति के अनुसार जलाशय से छोड़े जाने वाले पानी की मात्र बढ़ाई जा सकती है, इसलिए सभी नागरिक सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें। कलेक्टर श्री बीएस उइके ने मैनपुर क्षेत्र के अड़गड़ी नाला में निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्य गुणवत्ता एवं निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री उइके ने आदिवासी बालक आश्रम तौरेंगा का निरीक्षण कर बच्चों से सवाल भी पूछे। कलेक्टर श्री बीएस उइके ने मैनपुर विकासखंड स्थित आदिवासी बालक आश्रम तौरेंगा का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। राजापड़ाव गौरगांव इलाके के अड़गड़ी पुल निर्माण स्थल पर जो एप्रोच मार्ग बनाया था वह कल भारी बारिश मे बह गया जिसके कारण इस मार्ग मे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। कलेक्टर ने तत्काल एप्रोच मार्ग बनाने का निर्देश दिया है ताकि लोगो को परेशानी न हो। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने कलेक्टर को बताया कि नदी मे अभी पानी का बहाव तेज है बहाव कम होते ही एप्रोच मार्ग बनाया जायेगा।

बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दे रही सरकार: रोहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

ग्राम पंचायत सेंदर के बाजार चौक में बुधवार को आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू ने करीब एक करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 15 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इस दौरान 45.73 लाख रुपये के पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों को जनता को समर्पित किया गया, वहीं 54.50 लाख रुपये के नए विकास कार्यों का भूमिपूजन संपन्न हुआ। विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन हुआ जिसमें लोकार्पण 45.73 लाख रुपये टीना शेड, चेक डैम, सीसी रोड, मुक्तिधाम एवं नाली निर्माण। भूमिपूजन 54.50 लाख रुपये टीना शेड, सामुदायिक भवन, पेवर ब्लॉक, गली कांक्रीटीकरण तथा रंगमंच सह भवन। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक रोहित साहू ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, नाली, पेयजल और सामुदायिक भवन जैसी बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने सरपंच गामिनी घृतलहरे, पूरी पंचायत टीम और भाजपा नेता व पूर्व सरपंच रामाधार साहू के प्रयासों की सराहना की, जिनकी मेहनत से एक साथ इतने विकास कार्य स्वीकृत हुए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं जनपद पंचायत फिंगेश्वर की अध्यक्ष इंद्राणी नेहरू साहू ने कहा कि विकास का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने इन निर्माण कार्यों को ग्रामीणों की लंबे समय से लंबित माँगों का सार्थक नतीजा बताया। इस विशेष आयोजन में ओंकार साहू (अध्यक्ष हाई स्कूल कौंदकेरा), राजू साहू (अध्यक्ष शासकीय महाविद्यालय फिंगेश्वर), हरीश साहू (सरपंच संघ जिलाध्यक्ष), रामाधार साहू (महामंत्री किसान मोर्चा), रुखमणी सिन्हा (जनपद सदस्य), गामिनी राकेश घृतलहरे (सरपंच सेंदर), रामू राम साहू (अध्यक्ष विद्या मंदिर), गजेश्वर सिन्हा (सरपंच छुईहा) तथा मंच संचालक योगेश देवांगन सहित ग्राम पंचायत सेंदर के पंचगण और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

आलेखूंटा में लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम

नवापारा-राजिम। आलेखूंटा में आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में विधायक इंद्रकुमार साहू के साथ कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति चंद्रकला-रामचंद ध्रुव, जनपद पंचायत अध्यक्ष चंद्रिका-जितेन्द्र बंजारे, सभापति राजेश्वरी-ओमप्रकाश ध्रुव, नवापारा भाजपा मंडल अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा, नगरपालिका उपाध्यक्ष भूपेन्द्र सोनी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम में विशेष रूप से गांव के सरपंच भागेश्वरी-झालूराम सिन्हा, उपसरपंच प्रीतम सिन्हा, सचिव अशोक ध्रुव, पंच गणेश ध्रुव, पार्वती ध्रुव, संतोषी ध्रुव, मुंगेश्वरी सिन्हा, सोनू सिन्हा, शोभा ध्रुव, पे्रम बाई सिन्हा, दिनेश्वरी यादव, गोपेश ध्रुव, रीना सिन्हा सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद थे।

रसेला के पास टोनहीडबरी में उमड़ रही शिवभक्तों की भीड़

धरती से स्वयं प्रकट हुए टंकेश्वर नाथ महादेव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

छत्तीसगढ़ की पावन भूमि पर टंकेश्वर नाथ महादेव का स्वयंभू और साक्षात स्वरूप रसेला से 8 किलोमीटर दूर गरियाबंद जिले विकासखंड छुरा क्षेत्र के ग्राम टोनहीडबरी में श्रद्धा का प्रमुख केन्द्र है। यहां भूमि से प्रकट शिवलिंग की महिमा अपरंपार है। यहां स्थापित शिवलिंग को मनुष्य द्वारा नहीं बल्कि भूमि से स्वत प्रकट (स्वयंभू) माना जाता है। यहां के ग्राम पटेल बिसेलाल ठाकुर, ग्राम प्रमुख भरतराम ध्रुव, सालिक राम, संतराम ध्रुव, श्यामलाल आदि लोगों ने बताया कि यहां सावन मास में ही नहीं हर सोमवार को श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। बहुत दूर दराज के लोग यहां अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करने के लिए मन्नते मांगने आते हैं। इस शिवलिंग के बारे में बुजुर्गों ने बताया था कि छुरा के छात्रसाय राजा ने इस शिवलिंग को छुरा ले जाने के लिए कई बैलगाड़ी भेजी थी मगर शिवलिंग अपनी जगह से टस से मस नहीं हुआ और बैलगाड़ी को खाली वापस जाना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि हमारे गांव होलिका दहन और नवरात्रि में दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित भी नहीं की जाती। यहां भी बताया कि होलिका दहन करने से गांवों में आग लग जाता है।

नशे में धुत कांवड़िए को सांप ने काटा था, प्रत्यक्ष चमत्कार की चर्चा- यहां के पुजारी चैतराम ठाकुर ने एक सच्ची घटनाएं को बताते हुए कहा कि तीन साल पहले सावन मास में कांवड़ियों ने यहां रात्रि विश्राम किया उसी में एक कांवड़ियों ने नशा किया हुआ था और सब एक जगह एक साथ विश्राम कर रहे थे मगर उसी इंसान को जाकर सांप ने काट लिया। ये सब घटना एक प्रत्यक्ष प्रमाण है टंकेश्वर नाथ जी के साक्षात स्वरूप विराजमान होने का। मंदिर में सावन मास दौरान कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलती है। जो श्रृद्धालुओं की मन्नतें पूरी होने पर मंदिर में सत्य नारायण की कथा व जलभिषेक कर विधिवत पूजा अर्चना करते हैं। श्रद्धालुओं के आने जाने के लिए कतार व्यवस्था, पेयजल और सुरक्षा व्यवस्था के साथ कांवड़ियों के लिए भोजन व्यवस्था भी किया जाता है। भगवान टंकेश्वर नाथ के दर्शन कर अपने परिवार के लिए सुख समृद्धि की सभी कामना करते हैं। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का कहना है कि सावन का महिना भक्ति, आस्था और उत्साह का प्रतीक है। टंकेश्वर नाथ महादेव के पुजारी ने कहा कि भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं को दर्शन पूजन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा व संस्कार की जननी : विधायक

छुरा। सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक रोहित साहू ने विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा और संस्कार की जननी है, जहां विद्यार्थियों को केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के संस्कार भी प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे विद्यालयों से निकलने वाले विद्यार्थी भविष्य में एक जिम्मेदार और आदर्श नागरिक के रूप में समाज एवं राष्ट्र की सेवा करते हैं। कार्यक्रम में विधायक रोहित साहू ने विद्यालय के विकास कार्यों के लिए 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा भी की। उन्होंने विद्यालय परिवार के शिक्षा एवं संस्कार निर्माण के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र में इस प्रकार के शैक्षणिक संस्थानों को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में सरस्वती शिशु मंदिर प्रबंधन की ओर से विधायक रोहित साहू का सम्मान किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष विजय गुप्ता, व्यवस्थापक संतोषी यादव एवं प्राचार्य संतोष वर्मा ने विधायक द्वारा भवन निर्माण के लिए की गई सहायता घोषणा पर उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे विद्यालय के अधोसंरचना विकास को नई गति मिलेगी।

खबर संक्षेप

बाढ़ प्रभावितों का हाल जानने पहुंचे यशवंत साहू

नवापारा-राजिम। बाढ़ प्रभावित लोगों से मिलने पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू के सुपुत्र जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू नवापारा पहुंचे। वे प्रभावित वार्डो में जाकर लोगो से मुलाकात किया। इस दौरान उनके साथ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामा यादव, पार्षद अर्जुन साहू, रामरतन निषाद, तरुण कंसारी, टिकेश्वर गिलहरे, फागू देवांगन, हेमंत साहनी, सचिन बंगानी, अशोक गोलछा, मितेश शाह, गुड्डू मिश्रा, महेश साहू, निर्माण यादव, अजय साहू, अजय गाड़ा, मानसिंग ध्रुव, प्रतीक साहू मौजूद थे।

सिर्रीखुर्द में स्कूल में धूमधाम से मना गुरु पूर्णिमा उत्सव

छुईहा बेलर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला सिर्रीखुर्द में भारतीय संस्कृति की गौरवशाली गुरु-शिष्य परंपरा का भावपूर्ण आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर श्रद्धा, सम्मान और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहा। विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा ज्ञान, संस्कार और अनुशासन के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षक एवं प्रभारी प्रधान पाठक खोमन लाल सिन्हा (खोमन गुरुजी) ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु वह प्रकाश पुंज हैं, जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु का मार्गदर्शन ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच देवेंद्र वर्मा, शिक्षिका धनेश्वरी सिन्हा, द्रोपदी साहू, सीता साहू, लीलाराम मतावले, तारिणी वर्मा, विद्यालय के छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बारिश : घुटने से लेकर कमर भर पानी में डूबे घर, बाढ़ सुरक्षा और जल निकासी व्यवस्था नहीं

महानदी के विकराल रूप से नवापारा के 4 वार्ड जलमग्न, 245 परिवार प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

महानदी के रौद्र रूप ने एक बार फिर नवापारा शहर की बाढ़ सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नदी के उफनते जलस्तर के कारण वार्ड क्रमांक 15, 16, 17 और 19 के लगभग 245 परिवार प्रभावित हो गए है जिनके घरो में बाढ़ का पानी घुस गया है। प्रशासन ने समय रहते इन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर राहत शिविरों में ठहराया है, जहां भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। राहत एवं बचाव कार्य की कमान एसडीएम रवि सिंह, तहसीलदार श्री मंडई, नायब तहसीलदार श्री मंडन, नगरपालिका सीएमओ लवकेश पैकरा, नगरपालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू तथा पालिका के पूरे अमले ने संभाल रखी है। प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को बुधवार रात से ही सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी थी और उन्हें समय रहते शिविरों में पहुंचा दिया गया। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब महानदी के किनारे मजबूत तटबंध का निर्माण किया जा चुका है, तब हर साल बाढ़ का पानी शहर के भीतर कैसे प्रवेश कर जाता है? स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर का पानी नालियों के माध्यम से नदी में छोड़ा जाता है, लेकिन बाढ़ के दौरान यही रास्ता नदी के पानी के लिए शहर में प्रवेश का माध्यम बन जाता है।

तकनीकी व इंजीनियरिंग प्रबंधन की विफलता

वर्षों से यह समस्या सामने आ रही है, फिर भी आज तक ऐसा स्थायी तकनीकी समाधान नहीं किया गया जिससे नदी का पानी उलटा शहर में न घुसे। हैरानी की बात यह है कि अभी तक वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग दृष्टिकोण अपनाकर जल निकासी की ऐसी व्यवस्था बनाई जाती, जिसमें बैक फ्लो रोकने की प्रणाली विकसित होती, तो शायद आज हर वर्ष आने वाली यह त्रासदी नहीं झेलनी पड़ती। यह समस्या अब केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि योजना और तकनीकी प्रबंधन की विफलता का भी प्रश्न बन गई है। हर साल बाढ़ आती है, लोग अपने घर छोड़कर राहत शिविरों में रहने को मजबूर होते हैं। दो से चार दिन तक पानी घरों में भरा रहता है, जिससे दीवारों में सीलन, दरारें और भवनों की मजबूती पर असर पड़ता है। पानी उतरने के बाद परिवारों को घरों की सफाई, मरम्मत और सामान्य जीवन बहाल करने में कई दिन लग जाते हैं। फिलहाल प्रशासन प्रभावित परिवारों की सुरक्षा और राहत व्यवस्था में पूरी तत्परता से जुटा हुआ है, लेकिन अब आवश्यकता केवल राहत कार्यों की नहीं, बल्कि ऐसे स्थायी और वैज्ञानिक समाधान की है जिससे हर साल दोहराई जाने वाली इस बाढ़ की त्रासदी से नवापारा शहर को हमेशा के लिए राहत मिल सके। आखिर कब तक लोग हर मानसून में अपना घर छोड़ने को मजबूर होते रहेंगे, और कब तक करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद शहर 'उलटे पानी' की मार झेलता रहेगा?

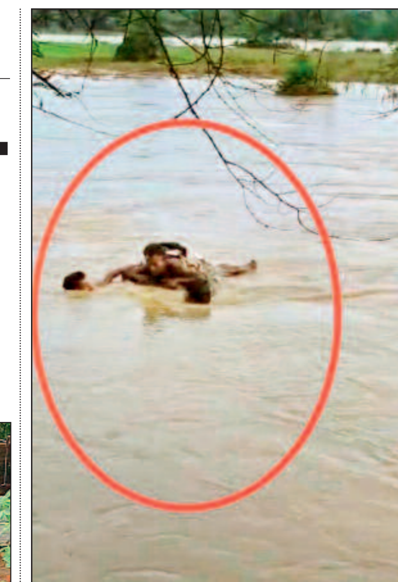

तेलनदी में फंसे ग्रामीण का युवकों ने किया रेस्क्यू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद जिले के देवभोग करचियां तेलनदी बाढ़ मे एक ग्रामीण पिछले तीन दिनों से नदी उस पार फस गया था नदी में भारी तेज बहाव के कारण ग्रामीण इस पार नहीं आ पा रहा था आज तीसरे दिन ग्राम करचियां के युवाओं ने ट्यूब के सहारे सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर तेलनदी में फसे ग्रामीण को बाहर निकाला। यह वीडियो लगातार सोशल मिडिया में वायरल हो रही है और करचियां के युवकों के इस प्रयास का ग्रामीणों के द्वारा सहाहना किया जा रहा है। ज्ञात हो कि तेलनदी में फसे ग्रामीण का जब ग्रामीणों ने रेस्क्यू किया तो इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोगों की भीड़ नदी किनारे लगी रही और युवाओं के इस साहस का क्षेत्र के लोगों के द्वारा तारिफ किया जा रहा है।

पैरी-महानदी उफान पर, कुलेश्वरनाथ मंदिर का 18 फीट ऊंचा चबूतरा डूबने की कगार पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

सावन के प्रथम दिन तीर्थराज राजिम में पैरी और महानदी ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते दोनों नदियां ऊफान पर हैं। नदी का जलस्तर इतना बढ़ गया है कि चारों ओर बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गए हैं। दूर-दूर तक सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है और पूरा संगम क्षेत्र जलमग्न दिखाई दे रहा है। तीर्थराज राजिम के त्रिवेणी संगम स्थित भगवान कुलेश्वर महादेव मंदिर भी बाढ़ की चपेट में आ गया है। मंदिर का लगभग 18 फीट ऊंचा चबूतरा भी पानी में डूबने की कगार पर पहुंच गया है। मंदिर परिसर तक पहुंचने वाले अधिकांश मार्ग बंद हो चुके हैं। नवापारा की ओर से मंदिर जाने वाले रपटा पर पानी बहने के कारण आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया है। वर्तमान में श्रद्धालुओं के लिए केवल लक्ष्मण झूला ही सुरक्षित मार्ग बचा है। इसी रास्ते से श्रद्धालु भगवान कुलेश्वर महादेव के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। सावन के पहले सोमवार जैसे धार्मिक माहौल के बीच प्रकृति का यह विराट स्वरूप लोगों को रोमांचित भी कर रहा है और सतर्क भी रहने की चेतावनी दे रहा है। संगम क्षेत्र में ऊफनती हुई पैरी और महानदी का दृश्य किसी समुद्र जैसा प्रतीत हो रहा है। लंबे समय बाद राजिम में इतनी भीषण बाढ़ देखने को मिल रही है। नदी का तेज बहाव और चारों ओर फैला अथाह जल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क है। अधिकारी लगातार नदी तटों और संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी कर रहे हैं। लोगों से अपील की जा रही है कि वे नदी के किनारे न जाएं, पानी में उतरने या रपटा पार करने का प्रयास बिल्कुल न करें तथा प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। महानदी पुल से दिखाई देने वाला बाढ़ का विहंगम दृश्य लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। बड़ी संख्या में लोग पुल पर पहुंचकर उफनती नदी का नजारा देख रहे हैं तथा तस्वीरें और सेल्फी ले रहे हैं।

पैरी नदी का विकराल रूप: चौबेबांधा गांव की ओर मोड़ा रुख, खेत-खलिहान डूबे

राजिम। इस बार पैरी का विकराल रूप यहां देखने को मिल रहा है। राजिम पहुंचने के पहले पैरी की धार दो किमी दूर चौबेबांधा गांव की ओर रूख किया हुआ है। इससे नदी और गांव के खेत खलिहान पानी की धार में समतल दिखाई दे रहा है। मतलब नदी से छलकते हुए यह धार गांव की ओर नजर आ रहा है।

प्रशासन और पुलिस मुस्तैद सेल्फी लेने वालों को हिदायत

हालांकि प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक भीड़ न लगाने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है। सावन के पहले दिन इंद्रदेव की मेहरबानी से जहां एक ओर किसानों के चेहरे खिल उठे हैं, वहीं दूसरी ओर बाढ़ ने प्रशासन की चिंता भी बढ़ा दी है। फिलहाल पूरा राजिम और संगम क्षेत्र जलराशि से लबालब है तथा प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। गुरूवार देर शाम जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एस के बर्मन ने बताया कि अभी वर्तमान स्थिति में गुरूवार को सिकासार जलाशय से 18 हजार क्यूसेक पानी नदी में छोड़ा जा रहा है। जबकि बुधवार को 58 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। स्थिति जैसे-जैसे बनती जा रही है उस पर वैसा निर्णय लिया जा रहा है। बताया कि सोढूर जलाशय से 5 हजार क्यूसेक पानी पैरी में ही जा रहा है।

रोहित साहू ने लिया बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

राजिम में पैरी, सोंढूर और महानदी के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए क्षेत्र के विधायक रोहित साहू गुरुवार को स्वयं पैदल निकलकर बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने नदी किनारे के संवेदनशील स्थलों, घाटों और जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा हालात पर लगातार नजर बनाए रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान विधायक रोहित साहू ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वर्तमान में तीनों नदियों में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। ऐसे में कोई भी व्यक्ति नदी किनारे अनावश्यक रूप से न जाए, सेल्फी लेने या तेज बहाव के बीच जाने जैसी लापरवाही बिल्कुल न करे। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें और बच्चों को भी नदी के आसपास जाने से रोकें। किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। विधायक ने कहा कि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और हर स्थिति पर नजर रखे हुए है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखने तथा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष महेश यादव, राजिम भक्तिन माता समिति के अध्यक्ष लाला साहू ,जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि नेहरू साहू,सभापति आकाश सिंह राजपूत, भारत यादव, तहसीलदार डिंपल ध्रुव,सीएमओ संतोष विश्वकर्मा, सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने विभिन्न स्थानों का निरीक्षण कर बाढ़ की स्थिति का आकलन किया और लोगों से सतर्क रहने की अपील की।

बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे इंद्रकुमार साहू

नवापारा-राजिम। नवापारा में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने विधायक इंद्रकुमार साहू गुरूवार शाम पहुंचे। वे प्रभावित वार्डो तथा राहत शिविर में ठहराए गए लोगों से मुलाकात किया। इसके साथ ही उन्होने अफसरों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रभावितों की मदद करें। भोजन, पानी का पुख्ता इंतजाम हो। इस अवसर पर उनके साथ नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू, मंडल अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा, पालिका उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष मुकेश ढीढी, भाजपा नेत्री योगिता सिन्हा, सचिन सचदेव, धीरज साहू, नम्मू ध्रुव, पूजा कंसारी, जनक कंसारी सहित भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
• हड्डी एवं जोड़ों का दर्द • नसों का रोग • मानसिक रोग
• त्वचा एवं बालों का रोग • स्त्री रोग • मूत्र संबंधी रोग
• मधुमेह (डायबिटीज़) • नेत्र रोग • किडनी संबंधी रोग
• पेट संबंधी विकार • थायराइड मांसपेशी का रोग
• अस्थमा • मोटापा • मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
सेक्टर -7 B कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003 | सिटी सेन्टर- कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666 | भिलाई सेन्टर-नेहरू नगर (पूर्व),एसबीआई बैंक के पास, भिलाई(छ.ग.) 95224 66605

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल
मेटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल
उपलब्ध सुविधाएं
• गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श नार्मल एवं सीजेरियन डिलीवरी
• एवं बच्चेदानी का ऑपरेशन व नसबंदी
• सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT
• बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसील, सरकम सीजन की सुविधा
• आयुष्मान कार्ड और CSEB से कैशलेस उपचार,
• TPA की सुविधा
माँ और शिशु का विश्वास
डॉ. सी.पी.सिंह (एमबीबीएस, एमडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीलिमा सिंह (एमबीबीएस, डी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
संपर्क करें 9009553889, 9090204620
एकता नगर, अम्बेडकर चौक के पास, गुढ़ियारी रायपुर
ब्रांच : मातृ स्मृति मंगल बाजार, गायत्री मंदिर के सामने, गुढ़ियारी, रायपुर

BHASKAR EYE CARE
भास्कर आई केयर
कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नही होता!
प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार
लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज
EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST
डॉ. दिलीप लालवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ
फेको सर्जन एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COIMBATORE
निरंकारी सत्संग भवन के पास, हिंद स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, ईदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) 07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
• मूत्र रोग एवं सर्जरी
• किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
• प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
• यौन संबंधी समस्याएं
• महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं
फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777
DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

पेपर लीक पर सख्त कानून ऐतिहासिक कदम : दीपक

सुरसाबांधा। भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक साहू ने सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं पर सख्त कानून बनाए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाएं लाखों मेहनती युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की

निष्पक्षता बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और इस दिशा में उठाया गया प्रत्येक कठोर कदम युवाओं के हित में है। दीपक साहू ने कहा, सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी घटनाएं लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करती हैं। ऐसे अपराधों पर सख्त रोक लगाने के लिए सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026 एक महत्वपूर्ण और स्वागतयोग्य पहल है। इस कानून के तहत दोषियों के लिए कठोर सजा, भारी आर्थिक दंड तथा मामलों के त्वरित निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट एवं विशेष जांच व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। इससे परीक्षा माफियाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं के हितों की रक्षा के लिए सरकार लगातार ठोस निर्णय ले रही है।

उल्बा स्कूल में शौचालय निर्माण के लिए भूमिपूजन

अभनपुर। ग्राम पंचायत उल्बा में पूर्व माध्यमिक शाला परिसर में विकसित भारत गारंटी ऑफ रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबीजी रामजी) योजना के तहत लगभग 7 लाख रुपये की लागत से बनने वाले बालिका शौचालय का सरपंच नेहरू लाल साहू ने भूमि पूजन किया। इस अवसर पर सरपंच नेहरू लाल साहू ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विडंबना : जर्जर रसोईघर में पक रहा मध्याह्न भोजन, स्वास्थ्य पर मंडराया खतरा

मोंगरा स्कूल में छत से टपक रहा पानी, क्लास में छाता खोलकर पढ़ाई करने को मजबूर छात्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

एक ओर सरकार 'सब पढ़ें, सब बढ़ें' का नारा देकर शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर विकासखंड छुरा के ग्राम मोंगरा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला की बदहाल स्थिति इन दावों की हकीकत बयां कर रही है। करीब 56 विद्यार्थियों वाले इस विद्यालय में बच्चे जर्जर भवन के बीच पढ़ाई करने को मजबूर हैं। बारिश के दिनों में स्कूल की छत से लगातार पानी टपकता है। हालत यह है कि कक्षाएं पानी से भर जाती हैं और बच्चों को अपनी सुरक्षा के लिए हाथों में छाता लेकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। जिस उम्र में उनके हाथों में केवल किताबें और कॉपियां होनी चाहिए, उस उम्र में वे छाता थामकर शिक्षा ग्रहण करने को विवश हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा भी खतरे में बनी हुई है। विद्यालय की बदहाली केवल कक्षाओं तक सीमित नहीं है। मध्याह्न भोजन तैयार करने वाला रसोईघर भी जर्जर हो चुका है। रसोई की छत से पानी टपकने के बीच भोजन बनाया जा रहा है, जिससे स्वच्छता और बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। विद्यालय में अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

नए भवन की मांग

विद्यालय की स्थिति को लेकर स्थानीय ग्रामीणों, शाला प्रबंधन समिति एवं शिक्षकों में गहरी चिंता है। गांव के प्रमुख रामचंद्र नायक, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष लखन लाल चक्रधारी, प्रधान पाठक मंगल मूर्ति सोनी तथा विद्यालय की शिक्षिकाओं ने शासन-प्रशासन और शिक्षा विभाग से तत्काल नए स्कूल भवन एवं सुरक्षित रसोईघर के निर्माण की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते भवन का निर्माण नहीं कराया गया तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तत्काल नए भवन की स्वीकृति प्रदान की जाए, ताकि नौनिहालों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

25-30 किमी दूर अध्यापन कार्य आदेश से शिक्षक परेशान, व्यवस्था निरस्त करने की मांग

छुरा। शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के साथ ही शासन द्वारा युक्तियुक्तकरण के तहत विद्यालयों में निर्धारित सेटअप के अनुसार शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। साथ ही संलग्नीकरण एवं स्थायी व्यवस्थाओं को समाप्त कर दिया गया है। शासन के निर्देशानुसार आवश्यकता होने पर संबंधित संकुल के भीतर ही अस्थायी रूप से अध्यापन कार्य के लिए शिक्षक को आदेशित किया जा सकता है। इसी बीच विकासखंड छुरा में प्राथमिक शाला जरगांव के एक शिक्षक को प्राथमिक शाला द्वारतरा में अस्थायी रूप से अध्यापन कार्य के लिए भेजे जाने का आदेश जारी किया गया है। दोनों विद्यालयों के बीच लगभग 25 से 30 किलोमीटर की दूरी है तथा बीच में चार से पांच संकुल केंद्र भी पड़ते हैं। शिक्षक का कहना है कि इतनी दूर व्यवस्था किए जाने से उन्हें काफी परेशानी हो रही है।

17 बच्चों पर तीन शिक्षक, स्टे वाले शिक्षक को हटाने की मांग- शिक्षक के अनुसार उनके मूल विद्यालय में 17 विद्यार्थियों पर तीन शिक्षक पदस्थ हैं। इनमें एक शिक्षक युक्तियुक्तकरण के तहत मैनपुर स्थानांतरित हुए थे, लेकिन न्यायालय से स्थगन आदेश (स्टे) मिलने के बाद पुनः उसी विद्यालय में कार्यरत हैं। उनका कहना है कि यदि उस शिक्षक को हटाया जाए तो विद्यालय में दो शिक्षक पर्याप्त हैं। इसके बावजूद उन्हें दूरस्थ विद्यालय में भेजा गया है। शिक्षक ने बताया कि उनकी रीढ़ (स्पाइन) का पूर्व में ऑपरेशन हो चुका है तथा स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याएं भी हैं। ऐसे में प्रतिदिन लंबी दूरी तय करना उनके लिए कठिन है। उन्होंने मानवीय आधार पर आदेश निरस्त करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार शासन द्वारा संलग्नीकरण जैसी व्यवस्था समाप्त किए जाने के बाद आवश्यकता पड़ने पर आसपास के संकुल से ही अस्थायी व्यवस्था किए जाने का प्रावधान बताया गया है। ऐसे में 25-30 किलोमीटर दूर से शिक्षक की व्यवस्था किए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं, जिस शिक्षक को न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त है, उस मामले की अवधि और स्थिति को लेकर भी चर्चा हो रही है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी राजेश चंद्राकर ने कहा की आदेश का परीक्षण कराया जाएगा। यदि किसी शिक्षक को मानवीय आधार पर वास्तविक समस्या है तो उसे अस्थायी अध्यापन कार्य हेतु आदेशित किए जाने पर पुनर्विचार किया जा सकता है।

परसदाकला और चरौदा-जोगीडीपा मार्ग की हुई मरम्मत

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा बेलर

मानसून के दौरान जर्जर सड़कों की वजह से आमजन को होने वाली भारी परेशानी को लोक निर्माण विभाग सब डिवीजन फिगेश्वर-राजिम ने गंभीरता से लिया है। बारिश के कारण परसदाकला ग्राम के पास मुख्य सड़क पर गहरे गड्ढे बन गए थे, जिनमें पानी भर जाने से राहगीरों, वाहन चालकों और विशेष रूप से स्कूली बच्चों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामवासियों की शिकायत पर लोक निर्माण विभाग फिगेश्वर के सब इंजीनियर नवीन श्रीवास्तव ने तुरंत मामले को संज्ञान में लिया और वरिष्ठ अधिकारियों को स्थिति से अवगत कराया। सूचना मिलते ही विभागीय टीम ने तुरंत मौके पर पहुँचकर स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और सुधार कार्य शुरू कराया।

डेढ़ फीट गिट्टी-रांक डालकर सड़क को किया समतल- विभाग द्वारा परसदाकला के पास क्षतिग्रस्त स्थान पर लगभग डेढ़ फीट गिट्टी और रांकडालकर सड़क को पूरी तरह समतल किया गया। इसके साथ ही विभाग ने चरौदा-जोगीडीपा मार्ग की भी त्वरित मरम्मत करवाई। सड़क सुधरने से अब छुईहा हाई स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों और आम राहगीरों को आवागमन में बड़ी राहत मिली है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बारिश के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों की संपर्क सड़कें आवागमन योग्य बनी रहें, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में वर्तमान में कुण्डेल मार्ग की मरम्मत का कार्य भी तेजी से जारी है। सड़क की समय पर मरम्मत होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। ग्राम सरपंच गणेश साहू, पूर्व सरपंच मिथलेश साहू, गणेश, होरीलाल, बिहारी साहू, घनश्याम निषाद, सतीष निषाद, रेखराज साहू सहित अन्य ग्रामीणों ने संतोष व्यक्त करते हुए विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क सुधरने से अब आवागमन सुगम हो गया है और संभावित दुर्घटनाओं का खतरा भी टल गया है।